

शंकरलालपुत्र श्री श्याम सुन्दर जाति अरोडा निवासी महताब कॉलोनी घडसाना तहसील घडसाना
जिला श्रीगंगानगर।

....अपीलांट

बनाम

राजस्थान सरकार बजरिये तहसीलदार राजस्व घडसाना जिला श्रीगंगानगर।

....रेस्पोडेन्ट

अपील अन्तर्गत धारा 75 भू-राजस्व अधिनियम एल.आर.एक्ट.1956

उपस्थित:

1. श्री भगवानदत्त शर्मा, श्री अशोक कुमार छाबडा, वकील अपीलांट
2. पैरोकार राज

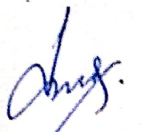
:: निर्णय ::

दिनांक: 30.03.2022

प्रकरण के संक्षेप में तथ्य इस प्रकार है कि अपीलांट द्वारा यह अपील अन्तर्गत धारा 75 एल.आर.एक्ट 1956 के अन्तर्गत प्रस्तुत कर निवेदन किया कि नायब तहसीलदार घडसाना के निर्णय दिनांक 30.09.2020 के विरुद्ध पत्रावली संख्या 109/2020 द्वारा अपीलांट को चक 3 एस.टी.आर. गैर मुमकिन मण्डी भूमि की दुकान के आगे 16.8x7.10 वर्ग फुट पर अतिक्रमी मान कर अतिक्रमण हटाने वा बेदखल करने के आदेश दिये है जो अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर वा जॉच ना करते हुए प्रक्रिया के विपरीत पारित किये है अपीलांट अतिक्रमी नहीं है इसलिए आदेश दिनांक 30.09.2020 को निरस्त किया जावे।

अपील संख्या 51/2020 पर दर्ज कर दिनांक 12.10.2020 को यथास्थिति बनाये रखने हेतु स्थगन आदेश जारी किया गया वा रेस्पोडेन्ट को तलब किया वा रिकॉर्ड अदालत मातहत का मंगाया जाकर शामिल मिशाल किया गया। बहस उभय पक्ष सुनी गई।

अधिवक्ता अपीलांट ने अपील मीमो के तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन किया कि प्रथमतया अपीलाधीन भूमि वाके चक 3 एस.टी.आर. गैरमुमकिन मन्डी की दुकान के सामने 16.8x7.10 वर्ग फीट पर उसके द्वारा कोई अतिक्रमण नहीं किया गया मात्र दुकान की सुरक्षा हेतु वा पहुँच बनाने हेतु पेड़ी बनायी है जो किसी भी प्रकार से कब्जा की परिभाषा में नहीं आता अतिक्रमण का आरोप निराधार है यदि पेड़ी नहीं बनाते तो दुकान में उचाई होने से लोग पहुँच नहीं पायेंगे यह मात्र सार्वजनिक सुविधा के लिए बनाई गई है। इस प्रकार का निर्माण अन्य दुकानदारों द्वारा भी किया गया है मात्र रंजिशवश अपीलांट को परेशान करने के लिए इसे अतिक्रमण बताया गया है यह सार्वजनिक हित हेतु अस्थाई निर्माण है। इसे सार्वजनिक सुविधा कहाँ जा सकता है अतिक्रमण नहीं। द्वितीय निर्णय से स्पष्ट है कि अपीलाधीन भूमि गैरमुमकिन मण्डी समिति की है और मंडी समिति द्वारा कोई शिकायत नहीं की गई है। प्रशनगत भूमि ना तो कृषि भूमि है ना ही रेस्पोडेन्ट के क्षेत्राधिकार की भूमि है। यह भूमि मण्डी क्षेत्र की है और वाणिज्यिक उपभोग की भूमि कही जा सकती है जो कि मन्डी सचिव पंचायत में होने पर सरपंच ग्राम पंचायत के क्षेत्राधिकार की हो सकती है माननीय तहसीलदार को पंचायत की भूमि पर अथवा मन्डी की भूमि में किसी प्रकार का क्षेत्राधिकार नहीं है चक 3 एस.टी.आर. तहसील घडसाना में अपीलाधीन गैरमुमकिन भूमि के अलावा चिपती भूमि अपीलांट ने खरीद की हुई है जिसके साक्ष्य पत्रावली के संलग्न है। अपीलांट द्वारा मन्डी समिति से भूमि खरीदने के पश्चात दुकान का निर्माण करवाया जो कि सीमा में उचाई पर है उसी तक पहुँच


रेस जिला कलक्टर
सूरतगढ़ (श्री गंगानगर)

के लिए सीढ़िया बनाई गई है जो कि सार्वजनिक हित के लिए बनाई है अपीलान्त द्वारा स्वयं के लिए नहीं बल्कि सार्वजनिक हित को मध्य नजर रखते हुए जनता की सुविधा के लिए है जो मात्र अपीलान्त के धारण में नहीं है इसमें कोई भी व्यक्ति प्रवेश कर दुकान में अपनी पहुँच बना सकता है यह भूमि सार्वजनिक सुविधा हेतु है और यह मन्डी की दुकानों के साथ एक रूपता भी बनाता है यह भूमि बाजार क्षेत्र में है इसमें कोई कृषि कार्य नहीं होता। सीढ़ियों पर किसी एक व्यक्ति का कब्जा नहीं है और यह सीढ़ियों सार्वजनिक है। मात्र अपीलान्त को अतिचारी घोषित किया जाना कतई गलत है। वाणिज्यिक भूमि होने से तहसीलदार के क्षेत्राधिकार से बाहर है और इस पर अपीलान्त का या अन्य किसी को अधिकार विहीन करते हुए कब्जाभी नहीं है इसलिए मात्र अपीलान्त को ही अतिचारी मानना गलत है। यह भूमि मन्डी एवं पंचायत के क्षेत्राधिकार की है इसमें ना तो मन्डी सचिव द्वारा कोई शिकायत / आपत्ति की है ना ही पंचायत द्वारा कोई शिकायत दर्ज की है इसलिए अपीलान्त के विरुद्ध पारित आदेश बाबत अतिचारी दिनांक 30.09.2020 नायब तहसीलदार घडसाना अधिकार विहीन व साक्ष्य के विपरीत होने से निरस्त किये जाने की प्रार्थना की गई।

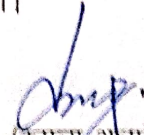


पैरोकार राज ने अपनी बहस में कथन किया कि अपीलान्त द्वारा नाजायज कब्जा किया गया है। जिसके विरुद्ध नियमानुसार ही कार्यवाही की गई है। अपील अपीलान्त खारिज की जावे तथा अपील आदेश सम्भावत रखा जावे।

हमने बहस उभय पक्ष व पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजों का गहनता से अवलोकन किया। जिससे यह स्पष्ट प्रकट होता है कि प्रश्नगत भूमि पक्षकारान के स्वीकृत तथ्यों के अनुसार अतिरिक्त कलैक्टर एवं मण्डी समिति हनुमानगढ़ के क्षेत्राधिकार की है, यह पद वर्तमान में समाप्त कर दिया गया है और इस भूमि को यदि पंचायत क्षेत्र में समाहित माना जावे तो उस अवस्था में रिहायशी क्षेत्र व पंचायत की भूमि से अतिक्रमी को बेदखल करने का क्षेत्राधिकार पंचायत को है। तहसीलदार घडसाना को बिना पंचायत की अनुशंसा के अतिक्रमी मानना व उसे बेदखल करने का अधिकार नहीं है। मण्डी व पंचायत हेतु बेदखल करने के अधिकार विशिष्ट रूप से क्षेत्राधिकार के आधार पर सम्बंधित सरपंच व मण्डी अधिकारियों को है, जिनके अधिकार क्षेत्र में भूमि है, इसलिए क्षेत्राधिकार के प्रश्न पर अपीलान्त के तर्क मानने योग्य है। तहसीलदार द्वारा क्षेत्राधिकार के सम्बंध में किसी प्रकार के नियम/नोटिफिकेशन प्रस्तुत नहीं किये गये। धारा 22 कोलो.एक्ट 1954 सामान्य प्रक्रिया है जबकि उपनिवेशन क्षेत्र से विशिष्ट भूमि अलग से क्षेत्राधिकार में दिये जाने पर उसके लिए अलग से क्षेत्राधिकार सरपंच या मण्डी सचिव को दिये गये है उन्हीं के प्रावधान विशिष्ट रूप से विशिष्ट भूमि पर प्रभावशील होंगे। अतः अधीनस्थ न्यायालय नायब तहसीलदार घडसाना द्वारा पारित आदेश 30.9.2020 क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर पारित किया जाना प्रतीत होता है।

अतः उपरोक्त विवेचनानुसार अपील अपीलान्त स्वीकार की जाती है। अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार (राजस्व), घडसाना के प्रकरण संख्या 109/2020 अनवान सरकार बनाम शंकरलाल पुत्र श्याम सुन्दर में पारित आदेश दिनांक 30.09.2020 निरस्त किया जाता है। पत्रावली अधीनस्थ न्यायालय को आदेश की प्रति सहित लौटाया जाये। अपील पत्रावली बाद तरतीब तकमील दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया।


(कमला अचारिया)
अतिरिक्त सहायक कलैक्टर
सूरतगढ़ (श्रीनगाबागर)